कप्तान कैट

लेखक : सिड

कप्तान कैट

बिल्ली - कप्तान कैट अमरीकी सेना में भर्ती हुई.

वो सेना के कैंप में तब घुसी जब कोई देख नहीं रहा था.

वहां सैनिक एक परेड में मार्च कर रहे थे.

लेफ्ट, राइट, लेफ्ट, राइट .....

लेफ्ट, राइट ....."

कप्तान कैट ने भी कदम-से-कदम

मिलकर मार्च किया.

कप्तान कैट को लेफ्ट और राइट

के बीच का फर्क पता था.

"उस बिल्ली के शरीर पर

हमारे तमगों से ज़्यादा धारियां हैं,"

एक कॉर्पोरल ने सार्जेंट से कहा.

"मियाऊं," कप्तान कैट ने कहा.

सार्जेंट ने बिल्ली की ओर देखा.

"यस, सर!" सार्जेंट ने कहा और फिर वो हंसा.

उसके बाद पूरी बटालियन

उस बिल्ली को "कप्तान कैट"

के नाम से बुलाने लगी.

अब उसे "बिल्ली" कहकर

कोई नहीं बुलाता था.
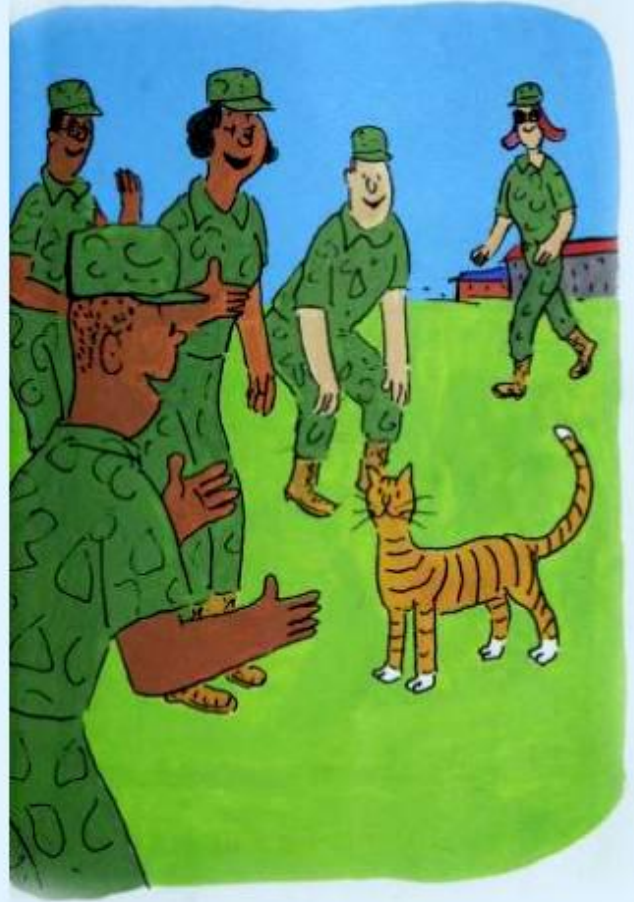
कभी-कभी सैनिकों के पास

कप्तान कैट के लिए बिल्कुल समय नहीं होता था.

"मुझे अभी जाकर गुसलखाने साफ़ करने हैं,"

एक सैनिक ने कहा.

"मुझे बाहर के मैदान की सफाई करनी है,"

दूसरे सैनिक ने कहा.

पर सैनिक पीट के पास कप्तान कैट

के लिए हमेशा समय होता था,

चाहें वो ड्यूटी पर हो या न हो.

"तुम्हें देखकर मुझे अपने घर की

बिल्ली की याद आती है," उसने कहा.

उसके बाद पीट ने कप्तान कैट

के कानों के पीछे खुजलाया.
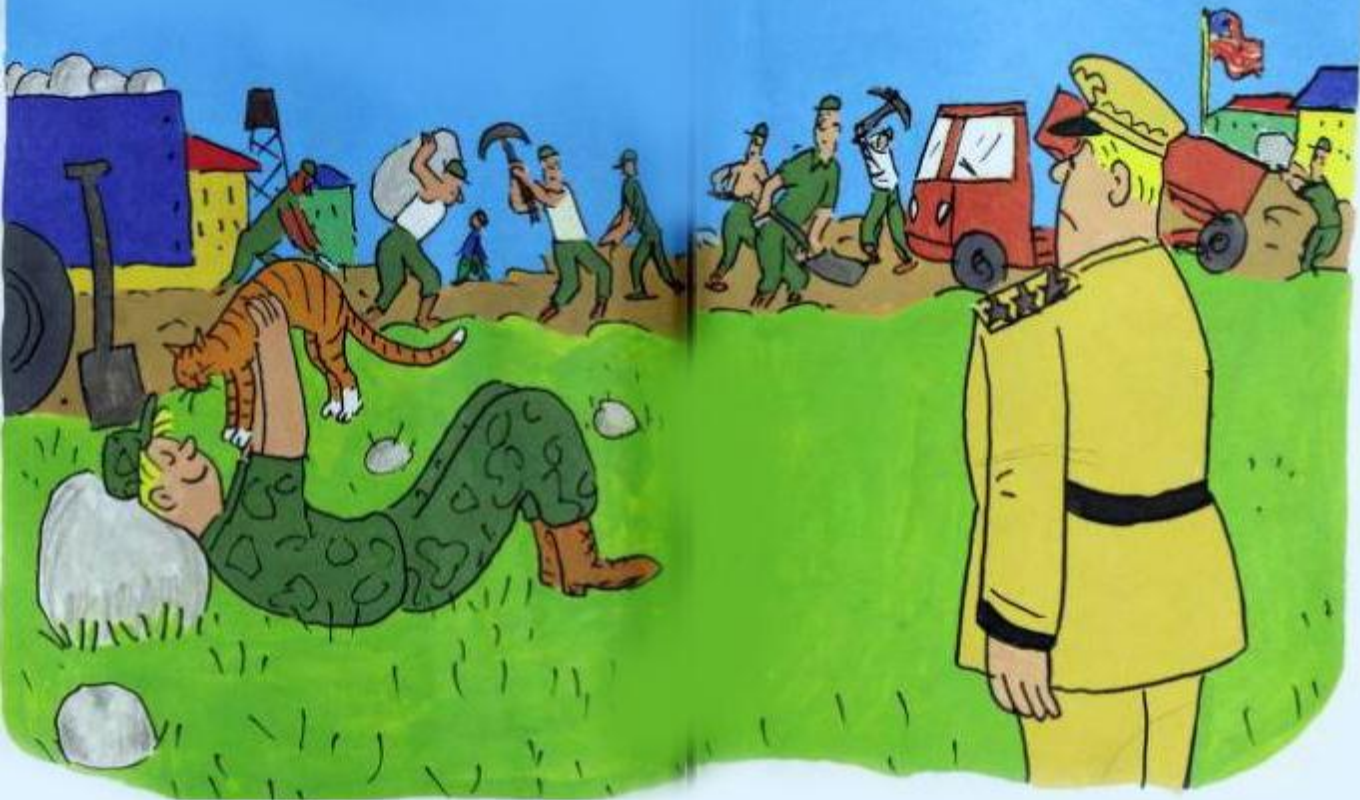
कभी-कभी पीट,

कप्तान कैट के साथ इतना खेलता ......

......कि वो परेशानी में पड़ जाता.

बटालियन ने जनरल ने पीट को

किचन ड्यूटी पर लगा दिया.

वहां पर पीट ने कप्तान कैट को

आलू के छिलकों से खेलने दिया.

"क्या तुम मेरी दोस्त हो?" पीट ने पूछा.

"मियाऊं," कप्तान कैट ने उत्तर दिया.

अगले दिन सुबह

उठने की घंटी बजी.

पीट को सुबह-सुबह उठना

बिल्कुल नापसंद था!

पर कप्तान कैट

बिस्तर से

झट से उठती थी.

फिर वो कचरे के ड्रम

का मुआइना करती थी.

बाद में सफाई कर्मचारी

वहां से कचरे को ले जाते थे.

फिर इंस्पेक्शन होता था.

उसके लिए सब सैनिक एक लाइन में खड़े होते थे.

कप्तान कैट भी लाइन में लगती थी.

इंस्पेक्शन के दौरान जनरल ने

एक सैनिक की बन्दूक ठीक की.

उन्होंने पीट की टोपी ठीक की.

जनरल, कप्तान कैट की सिर्फ

मूंछें ही ऐंठ सके.

"आगे बढ़ो!" जनरल ने आर्डर दिया.
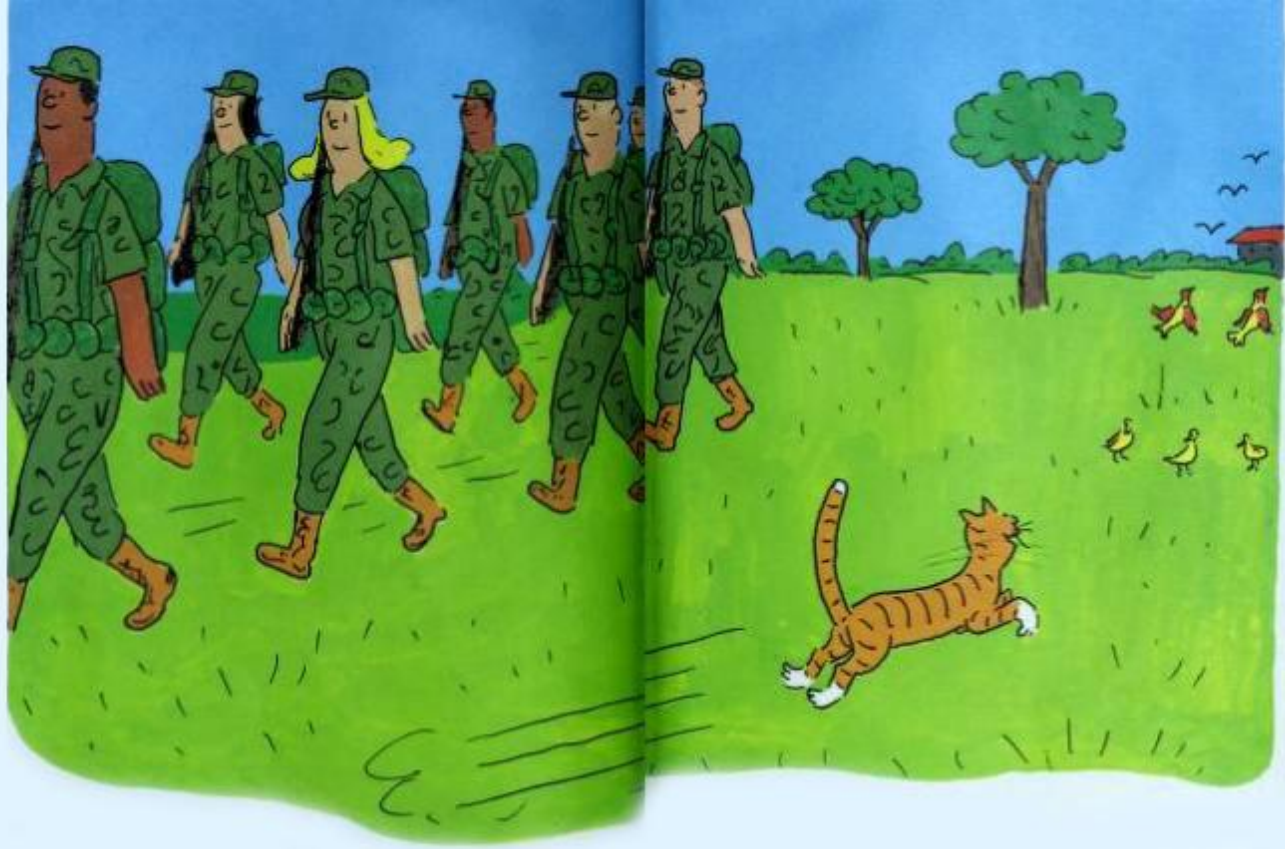
तब सैनकों की टुकड़ी एक तरफ गई.

पर कप्तान कैट दूसरी ओर गई.

उसे कुछ चिड़ियों को भागना था.

फिर सैनिक कीचड़ में रेंगने लगे.

उन्हें बारिश और तूफ़ान में दौड़ना पड़ा.

पर कप्तान कैट को यह

कुछ नहीं करना पड़ा!

वो मस्ती से पीट के पलंग पर

लेट कर सोती रही.

फिर दोपहर के खाने का समय हुआ!

पीट और अन्य सैनिक मेस हॉल में

गर्मागर्म खाना लेने के लिए दौड़े हुए पहुंचे.

"काश पीट मुझे चूहे वाली प्लेट दे,"

कप्तान कैट ने मन-ही-मन सोचा.

"क्या तुम मेरी दोस्त हो?" पीट ने पूछा.

"मियाऊं," कप्तान कैट ने उत्तर दिया.

फिर रात हुई!

सोने के लिए लाइट बुझाई गई.

सब लोग सोने लगे और अपने-अपने

प्रियजनों के सपने देखने लगे.

कप्तान कैट ने भी सपने में

अपने दोस्त को देखा!

समाप्त